सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_Sanjay | YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्षः 8 ● अंकः 295 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 6 दिसम्बर, 2022
मूल्य ₹ 3/-

इच्छा ही सभी उपलब्धियों का प्रारंभिक बिन्दु है।
-नेपोलियन हिल

राहुल गांधी का भाजपाइयों को फ्लाइंग... 7 | मच्छर जनित बीमारियों पर अदालत... 3 | भाजपा को खाता खुलने और आजम... 2

अनुपूरक बजट पर बोले सीएम योगी

अर्थव्यवस्था ब्रिटेन से भी बेहतर यूपी बन रहा विकास में मॉडल

» विपक्ष के हंगामें के बीच सदन में 33,700 करोड़ का अनुपूरक बजट पास

» सरकार का दावा, यूपी में बन रहीं गुजरात राज्य जैसी फैक्ट्रियां

» सदन में मुख्यमंत्री ने गिनाईं कानून व्यवस्था समेत तमाम उपलब्धियां

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सदन में विपक्ष के हंगामें के बी शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन 33,700 करोड़ के अनुपूरक बजट पर मुहर लग गई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधानसभा के शीतकालीन सत्र में यूपी के विकास मॉडल का जिक्र किया। उन्होंने यूपी में ईज ऑफ डूइंग का लक्ष्य रखते हुए कहा कि विकास की योजनाएं जन-जन तक पहुंच रही है। सीएम योगी ने यूपी में एक्सप्रेसवे, रोड कनेक्टिविटी, मेडिकल सुविधाएं, सफाई, कानून व्यवस्था, इंफ्रास्ट्रक्चर, डाटा सेंटर, डिफेंस कॉरिडोर की उपलब्धियां भी गिनाईं।

योगी ने सदन में बात रखते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में मल्टी नेशनल कंपनियां गुजरात राज्य के जैसी फैक्ट्रियां बना रही हैं। नोएडा में सैमसंग प्लांट, मथुरा में लेज की फैक्ट्री सेट हो रही। उत्तर प्रदेश 6 एक्सप्रेसवे वाला देश का पहला राज्य हो गया है। जहाज से सब्जियां एक्सपोर्ट की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि सबका साथ-सबका विकास ही हमारी सरकार का लक्ष्य है।

शीतकालीन सत्र

सीएम ने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था ब्रिटेन से भी बेहतर है। जी-20 का नेतृत्व करना देश के लिए गौरव की बात है। देश और दुनिया में यूपी की तारीफ हुई। पहले यह हाल था कि यूपी को बीमारू राज्य कहा जाता था। पिछले पांच सालों में उत्तर प्रदेश की स्थिति बदली है। 5 साल में 35 मेडिकल कॉलेज की स्थापना हुई है। हर जिले में मेडिकल कॉलेज का लक्ष्य है। यूपी के शहर अब साफ नजर आते हैं। प्रदेश के 8 जिले देश के टॉप 20 जिलों में शामिल हैं।

...तोहरी पार्टी ज्वाइन कर लें क्या?

विधानसभा की कार्यवाही के दौरान सुभासपा अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर और सपा नेताओं में जमकर तू-तू मैं-मैं हो गयी। सदन में राजभर बीजेपी सरकार पर अपने सवाल दाग रहे थे। उसी दौरान सपा नेताओं ने राजभर पर तंज कसा। इस पर राजभर ने अपने चिरपचित अंदाज में सपाइयों पर करारा पलटवार किया। राजभर ने कहा कि अरे हम अपनी पार्टी के दम पर बोलते हैं, सपा-वपा के चक्कर में नहीं रहते हैं। हम तोहरी पार्टी ज्वाइन कर लें क्या? ये जो गिनती दिखाई दे रही है, इसमें ओम प्रकाश राजभर की बड़ी भूमिका है। राजभर के इतना बोलते ही सदन में ठहाके लगने लगे।

अतुल प्रधान को विस अध्यक्ष ने फटकारा

सदन से फेसबुक लाइव करने पर सपा विधायक पर की गई कड़ी कार्रवाई

अध्यक्ष सतीश महाना ने सपा विधायक अतुल पर सदन की गरिमा के विपरीत आचरण करने पर उनके खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। सदन की कार्यवाही को फेसबुक पर लाइव करने का आरोप लगा है। जिसके चलते उन्हें दोपहर एक बजे तक सदन की कार्यवाही से उन्हें बाहर रखा गया। अध्यक्ष महाना ने कहा कि यह सदन की गरिमा के विपरीत है। इसके बाद अतुल प्रधान सदन की कार्यवाही से बाहर निकल गए। अध्यक्ष ने नाराजगी जाहिर करते हुए अतुल को पहले पूरे सत्र से बाहर रहने को कहा था। लेकिन बाद में लालजी वर्मा ने अध्यक्ष से आग्रह करते हुए कहा कि पहली बार के सदस्य हैं उन्हें इसकी जानकारी नहीं थी, उन्हें क्षमा करें। जिसके बाद कार्रवाई में संसोधन किया गया।

मथुरा में हिंदु महासभा के नेता को पुलिस ने हिरासत में लिया

» कांवड़ लेकर ईदगाह की तरफ जाता देखकर हरकत में आया पुलिस अमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मथुरा में अखिल भारत हिंदू महासभा के एलान के बाद पुलिस सख्ती रही। पुलिस ने मंगलवार की सुबह अखिल भारत हिंदू महासभा के एक पदाधिकारी को हिरासत में लिया है। वह कावड़ लेकर शाही ईदगाह मस्जिद की तरफ जलाभिषेक करने के लिए जा रहे थे। इसी दौरान पुलिस ने भूतेश्वर तिराहे पर पदाधिकारी को पकड़ लिया और थाने ले आई। पुलिस पदाधिकारी से पूछताछ कर रही है।

एसपी सिटी मार्तंड प्रकाश सिंह ने

बताया कि अखिल भारत हिंदू महासभा के आगरा जिला प्रभारी सौरभ शर्मा को हिरासत में लिया गया है। छह दिसंबर को लेकर ईदगाह की तरफ जाने वाले मार्ग पर चौकसी बरती जा रही है। शहर का शांत माहौल नहीं बिगड़ने दिया जाएगा। जो भी माहौल बिगाड़ने का प्रयास करेगा, उससे पुलिस सख्ती से निपटेगी।

काश! सरकारें संविधान के पवित्र उसूलों के तहत कार्य करें : मायावती

» बसपा सुप्रीमो ने अंबेडकर को उनकी पुण्यतिथि पर पुष्पांजलि अर्पित की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा प्रमुख मायावती ने लखनऊ में आज भीमराव अंबेडकर को उनकी पुण्यतिथि पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस दौरान उन्होंने पार्टी के संस्थापक कांशीराम को भी श्रद्धांजलि दी।

मंगलवार की सुबह मायावती ने ट्वीट करते हुए लिखा कि देश को पूर्ण जनहितैषी, कल्याणकारी व समतामूलक संविधान देकर धन्य करने वाले परमपूज्य बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर को उनके परिनिर्वाण

दिवस पर शत-शत नमन। देश उनका सदा आभारी रहेगा।

उन्होंने लिखा कि देश की सरकारें काश उस संविधान के पवित्र उसूलों के तहत कार्य करती तो यहां करोड़ों गरीब और मेहनतकशों को काफी मुसीबतों से कुछ मुक्ति मिल गई होती। संविधान के आदर्श को जमीनी हकीकत में बदलकर लोगों के अच्छे दिन लाने की जिम्मेदारी में विमुखता व विफलता दुखद, चिन्तनीय है। लिखा कि संवैधानिक हक के तहत लोगों के हित, कल्याण, उनके जान-माल-मज़हब की सुरक्षा तथा आत्म-सम्मान व स्वाभिमान के साथ जीने की गारंटी की याद आती है। अतः रोज़ी-रोटी, न्याय, सुख-शान्ति व समृद्धि से वंचित लोगों की सही चिन्ता ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि है।

भाजपा को खाता खुलने और आजम को गढ़ बचने की आस

» रामपुर उपचुनाव में हुआ महज 34 फीसदी मतदान, बढ़ीं हैं दोनों ओर की धड़कनें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। रामपुर विधानसभा सीट को समाजवादी पार्टी के कद्दावर नेता आजम खान का गढ़ माना जाता है। ऐसा इसलिए माना जाता है, क्योंकि आजम खान यहां से 10 बार विधायक के रूप में निर्वाचित हो चुके हैं। आजम की वजह से इस सीट को समाजवादी पार्टी का भी किला माना जाता है, क्योंकि अपने दस बार की पारियों में आजम छह बार सपा से तो चार बार अन्य दलों के टिकट पर भी इस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। ऐसे में जब सोमवार को इस सीट पर उपचुनाव हुआ तो आजम खान पर अपनी साख बचाने की बड़ी जिम्मेदारी है, तो वहीं दूसरी ओर आजम खान की जिंदगी में भूचाल लाने वाली सत्ताधारी पार्टी भाजपा पहली बार इस सीट पर अपना खाता खोलने की आस लगाए हुए है।

रामपुर विधानसभा सीट पर अब तक कुल 19 बार चुनाव कराए जा चुके हैं। इन 19 में से छह बार ये सीट देश की सबसे पुरानी पार्टी

कांग्रेस के खाते में गई, तो 7 बार यहां पर समाजवादी पार्टी ने अपना परचम लहराया है। इस सीट पर सिर्फ एक बार 1957 में निर्दलीय प्रत्याशी को जीत हासिल हुई है। रामपुर विधानसभा सीट पर पहली बार 1952 में विधानसभा का चुनाव हुआ था। तब कांग्रेस के फजलुल हक निर्वाचित हुए थे। इसके बाद 1957 के चुनाव में निर्दलीय असलम खां ने जीत हासिल की। वो इस सीट से निर्दलीय चुनाव जीतने वाले अकेले प्रत्याशी हैं। 1962 के चुनाव में कांग्रेस की किश्वर आरा बेगम ने जीत हासिल की। 1967 के विधानसभा चुनाव में स्वतंत्र पार्टी के अख्तर अली खां ने इस सीट से जीत हासिल की। इसके बाद हुए लगातार तीन चुनावों में बाजी कांग्रेस के हाथ में रही।

कम मतदान बन सकता है भाजपा के लिए वरदान

उपचुनाव के लिए इस सीट पर हुए मतदान में 33.94 फीसदी वोट पड़ा है। इसको लेकर राजनीति के माहिर यह कयास लगाने में लगे हैं कि क्या आजम खान अपना किला बचाने में कामयाब होंगे या फिर इस सीट पर पहली बार कमल खिलेगा। राजनीतिक दलों के नेता चुनावी आंकड़ों का विश्लेषण अपनी-अपनी तर्ज पर कर रहे हैं। मतदाताओं ने क्या फैसला सुनाया है। इस बात का पता तो 08 दिसंबर को चलेगा, जब चुनाव परिणाम आएगा। तब तक दोनों ओर की धड़कनें काफी तेज हैं। फिलहाल इतना जरूर है कि अबकी बार आजम के लिए भी ये राह आसान नहीं है, क्योंकि भाजपा ने सभी चुनावी हथकंडे अपनाते हुए चुनाव लड़ा है।

महापौर की छह सीटों पर होगा महिलों का राज

» जल्द ही हो सकता है चुनाव की तारीखों का ऐलान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लंबे इतजार के बाद आखिरकार उत्तर प्रदेश नगर निकाय चुनाव के लिए आरक्षण का ऐलान कर दिया गया। इसके साथ ही अब प्रदेश में नगर निकाय चुनाव के आरक्षण की तस्वीर साफ हो गई। प्रदेश में 17 नगर निगम, 200 नगर पालिका और 545 नगर पंचायतों में नगर निकाय चुनाव होने हैं। इसको लेकर काफी दिनों से आरक्षण जारी होने का इंतजार किया जा रहा था, जो फिलहाल सोमवार को खत्म हुआ और जब अंततः नगर निकाय चुनावों के लिए सभी नगर निगम, नगर पालिका और नगर पंचायतों में आरक्षण का ऐलान कर दिया गया। अब ऐसी उम्मीद है कि चुनाव आयोग द्वारा जल्द ही नगर निकाय चुनाव की तारीखों का भी ऐलान कर दिया जाएगा।

रिजर्वेशन की घोषणा के बाद 17 नगर निगम में मेयर पद के लिए 2 सीटें अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित की गई हैं। इसमें 2 सीटों में एक सीट महिला के लिए रिजर्व की गई है। वहीं, उत्तर प्रदेश नगर निगम में 4 सीटें पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षित की गई हैं। इसमें 2 सीटें महिला के लिए रिजर्व रखी गई हैं। इसके अलावा प्रदेश की 200 नगर पालिका परिषद की सीटों में से 27 सीटें अनुसूचित जाति के लिए रिजर्व की गई हैं। इसके अलावा 54 सीटें पिछड़ा वर्ग के लिए व 79 सीटें अनारक्षित रखी गई हैं। वहीं 40 सीटें देश की आधी आवादी यानी कि महिलाओं के लिए आरक्षित की गई हैं।

17 में से 8 नगर निगम अनारक्षित

प्रदेश के 17 नगर निगम में से फिरोजाबाद, गाजियाबाद, लखनऊ, कानपुर, गोरखपुर, वाराणसी, बरेली, और शाहजहांपुर की सीटन अनारक्षित रखी गई हैं।

नगर निगम की ये सीटें हुईं आरक्षित

आगरा नगर निगम	-	अनुसूचित जाति महिला
झांसी नगर निगम	-	अनुसूचित जाति
मथुरा वृंदावन नगर निगम	-	अन्य पिछड़ा वर्ग महिला
अलीगढ़ नगर निगम	-	अन्य पिछड़ा वर्ग महिला
मेरठ नगर निगम	-	अन्य पिछड़ा वर्ग
प्रयागराज	-	अन्य पिछड़ा वर्ग
अयोध्या नगर निगम	-	महिला सहारनपुर- महिला
मुरादाबाद	-	महिला के लिए आरक्षित की गई
सहारनपुर नगर निगम	-	महिला के लिए आरक्षित

107 सीटों पर होगा महिलाओं का कब्जा

वहीं नगर पंचायत अध्यक्ष के लिए 545 सीटों की बात की जाए तो अनुसूचित जाति के लिए 73 सीट, अनुसूचित जनजाति (महिला) के लिए 01 सीट, पिछड़ा वर्ग के लिए 147 आरक्षित हैं। इसके लिए अनारक्षित सीटें 217 हैं, जबकि महिला के लिए 107 सीटें आरक्षित रखी गई हैं।

कांग्रेस ने कुमारी सैलजा का बढ़ाया कद

» राजस्थान, छत्तीसगढ़ और हरियाणा के बदले गए प्रभारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। नए अध्यक्ष के चयन के बाद कांग्रेस लगातार परिवर्तन के दौर से गुजर रही है। इसी वजह से पार्टी में लगातार फेरबदल किए जा रहे हैं, साथ ही कुछ नए चेहरों को भी स्थान दिया जा रहा है। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ये पहले ही कह चुके हैं कि जो पदाधिकारी अपनी जिम्मेदारियों को सही से नहीं निभाएगा, उसे पार्टी बर्दाश्त नहीं करेगी। लगातार हो बदलाव के क्रम में अब कांग्रेस में एक बड़ा फेरबदल देखने को मिला है। पार्टी ने पूर्व केंद्रीय मंत्री कुमारी सैलजा को पार्टी का महासचिव नियुक्त कर दिया है। इसके साथ ही उन्हें छत्तीसगढ़ का प्रभारी भी नियुक्त किया गया है।

इतना ही नहीं, इसके अलावा पार्टी द्वारा अजय माकन की जगह पंजाब के पूर्व उप मुख्यमंत्री सुखजिंदर सिंह रंधावा को राजस्थान का नया पार्टी प्रभारी बनाया गया है। राज्यसभा सदस्य शक्ति सिंह गोहिल को हरियाणा का पार्टी प्रभारी नियुक्त किया गया है। कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने इसकी जानकारी दी। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने इन नियुक्तियों को अंतिम रूप दिया है। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी की पूर्व अध्यक्ष सैलजा को पीएल पुनिया की जगह छत्तीसगढ़ की जिम्मेदारी दी गई है।

राजस्थान और छत्तीसगढ़ में गुटबाजी बनी गले की फांस

दरअसल, ये बदलाव राजस्थान और छत्तीसगढ़ में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों को देखते हुए किए गए हैं। इसी वजह से ये बड़े फेरबदल किए गए हैं। ये ही वजह है कि सैलजा, रंधावा और शक्ति सिंह गोहिल को छत्तीसगढ़, राजस्थान और हरियाणा में बड़ी जिम्मेदारी दी गई है। अगले साल होने वाले चुनावों में राजस्थान और छत्तीसगढ़ में अभी कांग्रेस का ही शासन है। मगर अपनी सत्ता होने के बाद भी दोनों ही जगहों पर पार्टी में काफी ज्यादा गुटबाजी देखने को मिल रही है। राजस्थान की पार्टी लड़ाई तो पूरे देश के सामने आ चुकी है, जो कहीं न कहीं पार्टी के लिए गले की फांस भी बन गई है। ये ही वजह है कि पार्टी चुनाव के होने से पहले इन दोनों ही राज्यों में अपनी भीतरी कलह और गुटबाजी को समाप्त करना चाहती है। तभी पार्टी इस तरह के फेरबदल भी कर रही है।

फिर से खोजी जाएंगी 14 साल पहले दफन हुईं पाइप लाइनें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कानपुर। कानपुरवासियों के लिए एक राहत की खबर सामने आ रही है। अब शहर की 12 लाख की आबादी को बैराज से गंगाजल पीने के लिए मुहैया होगा। इसके लिए जल निगम 14 साल पहले दफन हो चुकी पाइप लाइनों को फिर से खोजेगा और कई इलाकों में छोड़े गए गैप को भरेगा। इन में गैप को भरने के लिए 50 करोड़ रुपए से 15वें वित्त आयोग के तहत खर्च किए जाएंगे। इसके प्रस्ताव की संस्तुति नगर आयुक्त शिवशरणप्पा जीएन ने कर दी है। जवाहर लाल नेहरू नेशनल अर्बन रिन्यूवल मिशन के तहत शहर में पानी की पाइप लाइनें बिछाई गईं थीं। वर्ष 2008-09 की दो फेज की परियोजनाओं में खूब भ्रष्टाचार हुआ। आलम ये रहा कि 950 करोड़ खर्च होने के बाद भी समूचे शहर को पानी नहीं मिल सका। पाइप लाइनों में कई जगह गैप छोड़ दिया गया था। इस गैप को भरने के लिए शासन ने रकम देने से साफ मना कर दिया था। ये लाइनें पूरी तरह जमीन के अंदर दफन हो चुकी हैं। अब 14 साल बाद जल निगम इन पाइप लाइनों को फिर से सही करने जा रहा है। इससे करीब 5 लाख से ज्यादा की आबादी को राहत मिलेगी।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

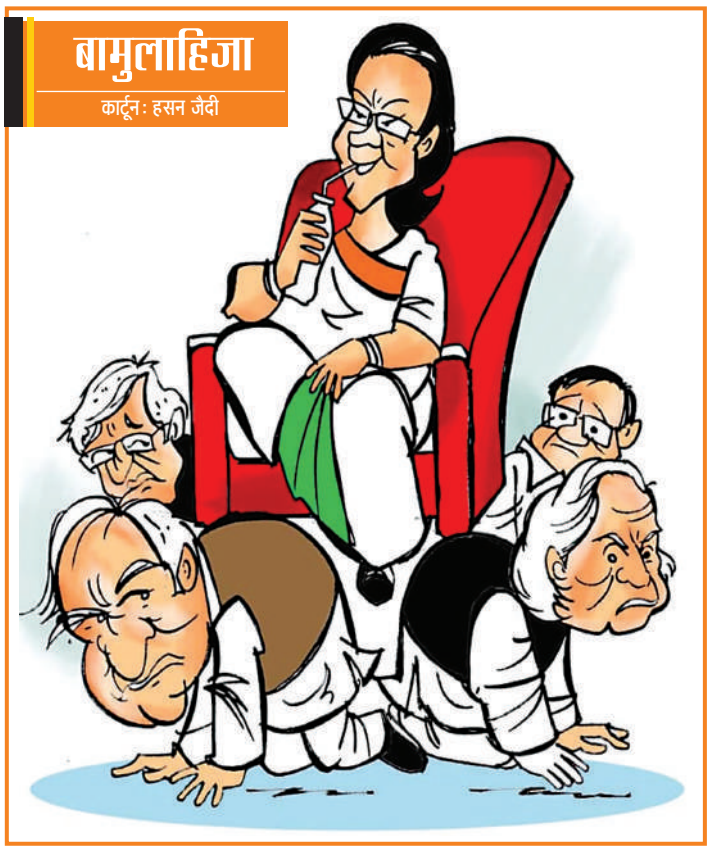

सरकार के खिलाफ कमेंट करने वाले टीएमसी प्रवक्ता को पुलिस ने उठाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता साकेत गोखले को गुजरात पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उन्हें केंद्र सरकार के बड़े आलोचक के रूप में जाना जाता है। टीएमसी के राज्यसभा के सासंद डेरेक ओ ब्रायन ने ट्वीट कर इसकी जानकारी दी। डेरेक ने ट्वीट किया, कि साकेत ने नई दिल्ली से जयपुर के लिए रात 9 बजे की फ्लाइट ली थी। जब वह उतरे तो गुजरात पुलिस राजस्थान के हवाई अड्डे पर उसका इंतजार कर रही थी और उसे गिरफ्तार कर लिया। आरोप है कि मोरबी ब्रिज पर उनके बयान को लेकर गिरफ्तार किया गया है।

गिरफ्तारी 31 अक्टूबर को मोरबी पुल ढहने पर गोखले के एक ट्वीट के मामले से जुड़ी थी, जिसमें 140 से अधिक लोगों की जान चली गई थी। टीएमसी सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने कहा-टीएमसी को चुप नहीं कराया जा सकता। यह दावा किया गया कि टीएमसी के राष्ट्रीय प्रवक्ता के मोबाइल फोन सहित उनके सामान को भी जब्त कर लिया गया है।

गिरफ्तारी को लेकर डेरेक ने बीजेपी पर भी हमला बोला। उन्होंने लिखा, मोरबी पुल ढहने पर साकेत के ट्वीट के बारे में अहमदाबाद साइबर सेल ने मामला दर्ज किया गया है। यह सब टीएमसी और विपक्ष को चुप नहीं करा सकता। भाजपा राजनीतिक प्रतिशोध को दूसरे स्तर पर ले जा रही है।।

A leading term of sale & utility services
G.K.TRADERS
Sales & Services
HAVELLS
RR KABEL WIRES & CABLES
PHILIPS
USHA
Havell's, RR Switch, CAP, USHA PUMP & FAN, Phillips and all kind of Electrical Goods.
G.K.TRADERS
Sales & Services
TAKHWA, VIRAJ KHAND-5, Gomti Nagar, Lucknow -226010
Contact : 9335016157, 9305457187

हाईकोर्ट ने योगी सरकार से पूछा क्या हैं बचाव के इंतजाम

मच्छर जनित बीमारियों पर अदालत ने दिखाई सख्ती

» जनहित याचिका पर दो जजों की बेंच 18 जनवरी को करेगी अगली सुनवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कोरोना महामारी के बाद उत्तर प्रदेश में मच्छर जनित बीमारियों जैसे कि डेंगू, मलेरिया, टायफाइड और चिकुनगुनिया जैसी बीमारियों ने अपना प्रकोप दिखाया। जिसके कारण पूरे प्रदेश में इन बिमारियों से काफी मौतें भी हुईं। यही कारण रहा कि लगातार बढ़ते प्रकोप को देखते हुए योगी सरकार पर भी सवाल खड़े किए गए। अब इसी को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मच्छर जनित बीमारियों के नियंत्रण के बारे में प्रदेश सरकार से जानकारी मांगी है। कोर्ट ने पूछा है कि मच्छर से होने वाली बीमारियों के नियंत्रण के लिए क्या-क्या उपाय किए गए हैं? कोर्ट ने इस संबंध में पूरी जानकारी मुहैया कराने को कहा है। स्वत: संज्ञान ली गई जनहित याचिका पर दो जजों की खंडपीठ ने सुनवाई की है। उक्त मामले की अगली सुनवाई 18 जनवरी को होगी।

बता दें कि राजधानी लखनऊ समेत कानपुर, मेरठ, बाराबंकी, फतेहपुर,

स्वास्थ्य मंत्री ने दिखाई सख्ती

इसके अलावा स्वास्थ्य मंत्री बृजेश पाठक ने कई जिलों में जा-जा कर अस्पतालों का निरीक्षण किया और स्वास्थ्य संबंधी जानकारियां प्रदान कीं। इसके साथ पूरे प्रदेश में सरकार द्वारा जागरुकता कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। साथ ही सरकार द्वारा बारिश के बाद साफ-सफाई की उचित व्यवस्था के लिए नगर निगमों व नगर पालिकाओं को भी निर्देश दिए गए। कबाड़ में मच्छर का अंडा कई साल तक पड़ा रहता है। जैसे ही उसे पानी मिलता है, उसका विकास होने लगता है। इसलिए टीम द्वारा कबाड़ हटवाया गया और लोगों से अपील की गई कि घर के आसपास कबाड़ नहीं रखें। बारिश से पहले साफ-सफाई जरूरी है।

अलीगढ़, कन्नौज, कानपुर देहात सहित प्रदेश के करीब 25 से अधिक जिलों में डेंगू ने अपना कहर बरपाया। वहीं इस वर्ष मच्छरों से नविजात दिलाने के लिए नगर निगमों की ओर से कुछ ही क्षेत्रों में देरी से फागिंग कराई गई। तेज बुखार और अचानक प्लेटलेटस गिरने की वजह से कई मरीजों की मौत हो गई। हालांकि, डेंगू मरीजों को फौरन उपचार देने के लिए सीएम योगी आदित्यनाथ और उपमुख्य मंत्री व स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक ने अधिकारियों को कई दिशा-निर्देश दिए। सरकार के तमाम प्रयासों के बाद भी लोग सरकार पर लगातार उंगली उठाते रहे। इसका कारण रहा कि प्रदेश में अलग-अलग जिलों में डेंगू से होने वाली मौतों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा था। वहीं दूसरी ओर नगर निगमों व नगर पालिकाओं द्वारा क्षेत्र में नियमित तौर पर फागिंग न कराने को लेकर भी लोगों में काफी नाराजगी देखी गई। हालांकि, सरकार की तरफ से लगातार उपाय करने और बेहतर इंतजाम करने का दंभ भरा जाता रहा।

टेस्ट, ट्रेस और ट्रीटमेंट अभियान चलाया

प्रदेश में लगातार बढ़ते प्रकोप को देखते हुए सरकार ने कोविड की तर्ज पर ही टेस्ट, ट्रेस और ट्रीटमेंट अभियान को चलाया। प्रदेश सरकार की ओर से इस नई रणनीति के तहत काम करने के लिए सभी मुख्य चिकित्साधिकारियों और मलेरिया अधिकारियों को निर्देशित किया गया था। बरसात के दिनों में डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया, स्क्रब टाइफस, लेप्टोस्पायरा सहित अन्य जलजनित, मच्छर जनित और संक्रामक बीमारियों को लेकर सरकार ने काफी उचित तैयारियां की थीं, लेकिन समस्याएं फिर भी बनी ही रहीं। बारिश से पहले ही योगी सरकार प्रदेश में इन बीमारियों के विरूद्ध पूरी सजगता बरत रही है। टी रणनीति से कोरोना संक्रमण पर काबू पाने वाली प्रदेश सरकार ने मच्छर जनित बीमारियों के नियंत्रण के लिए भी कोविड मॉडल को अपनाया। प्रदेश के प्रत्येक अस्पताल में फीवर क्लीनिक को सक्रिय कर दिया गया है। यहां बुखार के मरीजों की जांच अनिवार्य कर दी गई है। जांच में डेंगू अथवा अन्य बीमारी की पुष्टि होती है, तो संबंधित इलाके में अभियान चलाया जाएगा।

821 ब्लॉक में आरआरटी टीमें सक्रिय, तैयार की गई ऐप

इस दौरान जिला और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर रैपिड रिस्पांस टीम (आरआरटी) का गठन किया गया। 821 ब्लॉक में आरआरटी टीमें सक्रिय की गईं। जहां पॉजिटिव मरीज मिले, वहां टीमें भेजी गईं। पॉजिटिव मिलने वाले मरीज का फोन नंबर भी लिया गया, ताकि उससे बातचीत कर टीम के पहुंचने के बारे में निगरानी की जा सके। इसके लिए मुख्यालय पर 15 टीम लगाई गईं और एक ऐप भी विकसित किया गया। ऐप पर पॉजिटिव मिले मरीज के बारे में जानकारी ली गई। टीम संबंधित मरीज के घर के आसपास कांट्रैक्ट ट्रेसिंग का कार्य पूरा करेगी तो उसे भी ऐप पर सूचना देनी होती है।

काशी की भव्यता में जुड़ेगा नया अध्याय

पौराणिक मंदिरों की पहचान बताएंगे 100 भव्य स्तंभ

» धार्मिक पर्यटन के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश को देश में पहले स्थान पर लाने की पहल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राज्य की योगी सरकार सत्ता में आने के बाद से लगातार प्रदेश के धार्मिक स्थानों का कायाकल्प करने में लगी है। सरकार का लक्ष्य उत्तर प्रदेश को धार्मिक पर्यटन के क्षेत्र में देश और दुनिया में पहले स्थान पर लाने का है। इसके लिए सरकार द्वारा लगातार प्रयास भी किए जा रहे हैं। फिर चाहे वो अयोध्या में भव्य राम मंदिर और पूरी रामनगरी का कालाकल्प करना हो या वाराणसी का काशी कॉरिडोर, विंध्याचल का विंध्य कॉरिडोर या फिर धार्मिक नगरी चित्रकूट का विकास करना हो, सरकार धार्मिक पर्यटन पर पूरा ध्यान दे रही है। इसी क्रम में अब सरकार विश्व के सबसे प्राचीन और अपने ठहराव के लिए जाने जाने वाले शहर काशी में पौराणिक मंदिरों को विश्व पटल पर लाने के लिए और उनका परिचय देने के लिए 100 भव्य स्तंभों का निर्माण करने जा रही है। प्रदेश सरकार इन स्तंभों का निर्माण 10 पावन यात्रा परिपथों पर कराएगी। लगभग 24.35 करोड रुपए की लागत से पावन यात्रा परिपथ परियोजना को दिसंबर 2023 तक मूर्त रूप देने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

ये स्तंभ हर पथ की अलग-अलग यात्रा और मंदिरों की पहचान के रूप में स्थापित होंगे। इसे देखते ही उस यात्रा मार्ग के मंदिरों की पहचान आसानी से की जा सकेगी। इन 10 पावन यात्रा परिपथों के बीच ऐसे 120 मंदिर स्थित हैं, जिनका विशेष पौराणिक महत्व है। इन यात्राओं में अष्ट भैरव यात्रा, नौ गौरी यात्रा, नौ दुर्गा यात्रा, अष्टविनायक यात्रा, अष्ट प्रधान विनायक यात्रा, एकादश विनायक यात्रा, द्वादश ज्योतिर्लिंग यात्रा, काशी विष्णु यात्रा, द्वादश आदित्य यात्रा और काशी चार धाम यात्रा शामिल हैं। यूपी प्रोजेक्ट्स कारपोरेशन लिमिटेड के परियोजना प्रबंधक विनय जैन ने बताया कि यात्रा के दौरान अब इन मंदिरों को दूर से ही पहचाना जा सकेगा। इसके लिए हर यात्रा से संबंधित स्तंभ लगाया जा रहा है। लाल और श्वेत पत्थरों से निर्मित स्तंभ की ऊंचाई करीब 12 से 15 फीट के बीच होगी।

वाराणसी को भव्य बनाने में लगी सरकार

केंद्र में मोदी सरकार के आने के बाद से ही काशी की भव्यता और दिव्यता को और अधिक प्रसारित करने का प्रयास किया जा रहा है। इसके लिए सरकार द्वारा तमाम तरह की योजनाएं चलाई जा रही हैं। इसी क्रम में काशी विश्वनाथ कॉरिडोर और रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर से लेकर और कई योजनाएं भी शामिल हैं। मणिकर्णिका घाट और ललिता घाट के बीच 25,000 वर्ग मीटर में बन कर खड़ा है। इसके तहत फूड स्ट्रीट, रिवर फ्रंट समेत बनारस की तंग गलियों का चौड़ीकरण का काम भी चल रहा है। इसके अलावा ऊर्जा गंगा पीएनजी परियोजना, रिंग रोड फेज-1, बाबतपुर-वाराणसी फोर लेन, आईपीडीएस, कबीरचौरा के पास हेरिटेज वॉक सहित कई काम पूरे हो चुके हैं। इनके अलावा वाराणसी जल संपूर्ति योजना, चौकाघाट लहरतारा फ्लाईओवर, 140 एमएलडी एसटीपी दीनापुर, गोइठहां और रमना का क्षमता विस्तार जैसी महत्वपूर्ण परियोजनाएं भी नई विकास की गाथा गढ़ रही हैं।

स्तंभों के अलावा प्रवेश द्वारों का भी होगा निर्माण

विस्तृत जानकारी देते हुए परियोजना प्रबंधक ने बताया कि सभी स्तंभों की स्थापत्य कला वाराणसी के मंदिरों से मिलती जुलती होगी। द्वादश ज्योतिर्लिंग यात्रा में स्तंभों पर नंदी और शिवलिंग, नवदुर्गा यात्रा में दुर्गा, द्वादश आदित्य ज्योतिर्लिंग में स्तंभों पर सूर्य, विनायक की अलग-अलग यात्रा में स्तंभों पर भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित होगी। मंदिरों में उपलब्ध स्थान के अनुसार 100 स्तंभों के अतिरिक्त प्रवेश द्वार भी बनाए जाएंगे। ये प्रवेश द्वार यात्रा विशेष के विषय में जानकारी देंगे।

बैठने के लिए बेंच व फ्लोरिंग का भी होगा काम

परियोजना प्रबंधक ने बताया कि प्रकाश, कुड़ेदान, बैठने के लिए बेंच, पीने के साफ पानी, फ्लोरिंग आदि का काम भी साथ-साथ किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि काशी की सीमा में प्रवेश करते ही पावन यात्रा परिपथ की संपूर्ण जानकारी मिल जाएगी। इसके लिए पाथवे फाइंडर, इनफार्मेशन साइनेज भी लगाए जा रहे हैं।

विशाल व दिव्य काशी कॉरिडोर

इसी क्रम में केंद्र की मोदी सरकार द्वारा काशी की भव्यता को वैश्विक पृष्ठभूमि पर और अधिक मजबूत करने के लिए भव्य और दिव्य काशी विश्वनाथ कॉरिडोर का निर्माण किया गया। इस पूरे भव्य कॉरिडोर को लगभग 50,000 वर्ग मीटर के एक बड़े परिसर में बनाया गया है। इसका मुख्य दरवाजा गंगा की तरफ ललिता घाट से लेकर है। विश्वनाथ कॉरिडोर को 3 भागों में बांटा गया है। पहला, मंदिर का मुख्य भाग है, जो लाल बलुआ पत्थर से बनाया गया है। इसमें 4 बड़े-बड़े गेट लगाए गए हैं। इसके चारों तरफ एक प्रदक्षिणा पथ बनाया गया है। उस प्रदक्षिणा पथ पर संगमरमर के 22 शिलालेख लगाए गए हैं, जिनमें काशी की महिमा का वर्णन है। कॉरिडोर में 24 भवन भी बनाए जा रहे हैं। इन भवनों में मुख्य मंदिर परिसर, मंदिर चौक, मुमुक्षु भवन, तीन यात्री सुविधा केंद्र, चार शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, मल्टीपरपस हॉल, सिटी म्यूजियम, वाराणसी गैलरी, जलपान केंद्र गंगा व्यू कैफे आदि हैं। धाम की चमक बढ़ाने के लिए अलग-अलग तरह की 5,000 लाइटें लगायी गई हैं। ये खास तरह की लाइटें दिन, दोपहर और रात में रंग बदलती रहेंगी। धाम के निर्माण का काम कर रही पीएसपी कंपनी के सीएमडी पीएम पटेल का कहना है कि इस कॉरिडोर की व्यवस्था के लिए जिन-जिन सुविधाओं की जरूरत पड़ती है, उनका ध्यान रखा गया है। जैसे म्यूजियम, वाराणसी गैलरी, मुमुक्षु भवन, जलपान गृह आदि। यदि आध्यात्मिक पुस्तकें देखना चाहते हैं, तो वैदिक केंद्र में वो भी हैं।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

चुनाव आयोग की भूमिका

हर सत्ता यही करती आ रही है देश को पहली बार टीएन शेषन के रूप में एक चुनाव आयुक्त मिला था। जिसने अपनी ताकत के दम पर देश को दिखाया था कि चुनाव निष्पक्ष कैसे होते हैं। आज भी जब चुनाव आयोग के सुधारों की बात होती है तो फिर टीएन शेषन का ही नाम लिया जाता है। यहां तक कि सुप्रीम कोर्ट ने भी चुनाव आयोग पर टिप्पणी करते समय टीएन शेषन का ही नाम लिया।

इन चुनावों में भी लोकतंत्र की असली तस्वीर नहीं दिखा सका चुनाव आयोग! हर चुनाव में चुनाव आयोग पर जिस तरह सवाल खड़े हो रहे हैं वो लोकतंत्र के लिए शुभ नहीं है! लोकतांत्रिक व्यवस्था में चुनाव आयोग की बहुत प्रभावशाली भूमिका होती है लोगों को यकीन होता है कि चुनाव आयोग निष्पक्ष होगा और सभी राजनीतिक दलों को बराबरी का मौका देगा जिससे चुनाव की निष्पक्षता पर कोई सवाल खड़े न कर सके, मगर हर चुनावों में कहीं न कहीं चुनाव आयोग सत्ता के आगे बेबस दिखाई देता है शर्मनाक बात ये है कि खुद सुप्रीम कोर्ट ने भी चुनाव आयोग पर गंभीर टिप्पणी की है मगर लगता नहीं कि चुनाव आयोग इससे कोई सबक लेने को तैयार है! अभी भी चुनाव आयोग की हालत पहले जैसी ही है।

हर सत्ता यही करती आ रही है देश को पहली बार टीएन शेषन के रूप में एक चुनाव आयुक्त मिला था। जिसने अपनी ताकत के दम पर देश को दिखाया था कि चुनाव निष्पक्ष कैसे होते हैं। आज भी जब चुनाव आयोग के सुधारों की बात होती है तो फिर टीएन शेषन का ही नाम लिया जाता है। यहां तक कि सुप्रीम कोर्ट ने भी चुनाव आयोग पर टिप्पणी करते समय टीएन शेषन का ही नाम लिया। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग पर गंभीर सवाल खड़े करते हुए कहा था कि चुनाव आयुक्त के कंधों पर बेशुमार शक्तियां है केन्द्र सरकार उसका फायदा उठाती है। इससे यह सवाल खड़े होते हैं कि आखिर चुनाव आयोग किसके शह पर काम कर रहा है। इससे एक बार फिर साबित हुआ कि एक व्यक्ति अपने आचरण से किसी संस्था को कैसे गौरवान्वित कर सकता है। पर दुर्भाग्यवश कोई और चुनाव आयुक्त ऐसा करता नजर नहीं आ रहा। हर चुनाव आयुक्त को लगता है कि वो सत्ता के ज्यादा से ज्यादा करीब जा पाये और इसके लिये वो कुछ भी करने को तैयार रहता है। पर चुनाव आयोग के ऐसे फैसलों से अगर कोई व्यक्ति निराश होता है तो वो देश का जनमानस, उसको लगता है कि देश की लोकतांत्रिक व्यवस्थाये खत्म हो रही है और कहीं न कहीं सत्ता अपने दबाव में मनचाहा काम करा ले रही है जाहिर है ऐसी परिस्थितियों में देश का असली स्वरूप कहीं खो जाता है चुनाव आयोग अगर ऐसा ही करता रहा तो उसे जल्दी ही जनाक्रोश का सामना भी करना पड़ सकता है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

टेक्नोलॉजी ने छीन लिया बच्चों का बचपन

आशुतोष चतुर्वेदी

हाल में बेंगलुरु से बड़ी चिंताजनक खबर आयी। वहां लगातार ऐसी शिकायतें आ रही थीं कि बच्चे स्कूल बैग में मोबाइल छिपा कर स्कूल ला रहे हैं। कर्नाटक में प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों से संबद्ध प्रबंधन ने स्कूलों से छात्रों के बैग की जांच करने को कहा। खबरों के अनुसार कक्षा आठ, नौ और दस के छात्रों के बैग से सिगरेट, लाइटर, व्हाइटनर, कंडोम व शराब तक बरामद हुई। भौंचक अभिभावक यह मानने को तैयार नहीं थे कि उनके बच्चे इतना बदल गये हैं। जब इस बारे में बच्चों से पूछा गया, तो वे एक-दूसरे पर दोषारोपण करने लगे। एक छात्रा का जवाब था कि जहां वह ट्यूशन पढ़ने जाती है, वहां के लोग इसके लिए दोषी हैं। कर्नाटक में प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों के एसोसिएटेड प्रबंधन के महासचिव डी शशि कुमार का कहना था कि करीब 80 स्कूलों में यह जांच की गयी। स्कूलों ने फैसला किया है कि छात्रों का निलंबन समस्या का समाधान नहीं है। स्कूलों ने अभिभावकों के साथ एक साझा बैठक की और काउंसेलिंग सत्र आयोजित करने का फैसला किया। माता-पिता से भी कहा गया है कि वे बाहर से भी बच्चों के लिए मदद ले सकते हैं और इसके लिए वे 10 दिन तक की छुट्टी ले सकते हैं।

अगर आप सोच रहे हैं कि यह केवल बेंगलुरु के बच्चों का मामला है, तो आप गलत सोच रहे हैं। यह हम सबके लिए खतरे की घंटी है। हम सबके चेतने का वक्त है। इसमें कोई शक नहीं है कि नयी पीढ़ी के बच्चे अत्यंत प्रतिभाशाली हैं, लेकिन शायद आपने गौर नहीं किया कि आपके बच्चे बदल चुके हैं। विदेशी पूंजी और टेक्नोलॉजी जब आती है, तो उसके साथ एक वातावरण और संस्कृति भी लाती है। उसकी ताकत इतनी है कि उसके प्रभाव से बचना मुश्किल है। दिक्कत यह है कि हम यह तो चाहते हैं कि पूंजी आये, लेकिन उसके साथ आने वाले वातावरण से तारतम्यता कैसे बिठाना है, इस पर कोई विमर्श नहीं होता। आप गौर करें कि आपके बच्चे के सोने, पढ़ने के समय, हाव-भाव और खान-पान सब बदल चुके है। हम या तो आंख मूंदे हैं या इसे स्वीकार नहीं करते हैं। आप सुबह पढ़ते थे, बच्चा देर रात तक जागने का आदी है। आप छह दिन काम करने के आदी हैं, बच्चा सप्ताह में पांच दिन स्कूल का आदी है। उसे मैगी, मोमो, बर्गर, पिज्जा से प्रेम है, आपकी सुई अब भी दाल-रोटी पर अटकी है। पहले माना जाता था कि पीढ़ियां 20 साल में बदलती हैं, तकनीक ने इस परिवर्तन को 10 साल कर दिया और अब नयी व्याख्या है कि पांच साल में पीढ़ी बदल जाती है। इसका अर्थ यह

है कि यदि आपके दो बच्चे हैं और उनमें पांच साल का अंतर है, तो उनके आचार-व्यवहार में भारी अंतर होगा। इस परिवर्तन में टेक्नोलॉजी की बड़ी भूमिका है। मोबाइल ने सारा परिदृश्य बदल दिया है। व्हाट्सएप, फेसबुक और ट्विटर तो जीवन में दाल-रोटी जैसी जरूरतों में शामिल हो गये हैं।

कुछ समय पहले खबर आयी थी कि लखनऊ में एक मां ने बेटे को मोबाइल फोन पर पब्जी खेलने से मना किया, तो उसने मां की गोली मार कर हत्या कर दी। यह घटना बताती है कि हम तकनीक के कितने बंधक हो गये हैं और उसके लिए किस हद तक जा सकते हैं। मुंबई में एक 16 वर्षीय बच्चे ने ट्रेन के सामने कूद कर आत्महत्या कर ली थी। पुलिस के अनुसार बच्चा मोबाइल पर गेम खेल रहा था, तभी उसकी मां ने उसके हाथ से मोबाइल छीना और पढ़ाई के लिए कहा। इस पर गुस्से में आकर बच्चे ने एक नोट लिखा और घर से चला गया। कुछ समय बाद जब मां घर पहुंची, तो उसने बच्चे की चिट्ठी देखी कि वह आत्महत्या करने जा रहा है। पुलिस तत्काल बच्चे की खोज में जुट गयी, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। मोबाइल की लत से बच्चों का सोना-जागना, पढ़ना-लिखना और खान-पान सब प्रभावित हो जाता है और वे बेगाने से हो जाते हैं। टेक्नोलॉजी ने उनका बचपन छीन लिया है। अब बच्चे किशोर, नवयुवक जैसी उम्र की सीढ़ियां चढ़ने के बजाय सीधे वयस्क बन जाते हैं। शारीरिक रूप से भले ही वे वयस्क नहीं होते हैं, लेकिन मानसिक रूप से वे वयस्क हो जाते हैं। वे घर के किसी अंधेरे कमरे में हर वक्त मोबाइल अथवा कंप्यूटर में उलझे रहते हैं। अब खेल के मैदानों में आपको गिने-चुने बच्चे ही नजर आयेंगे। यह व्हाट्सएप की पीढ़ी है, यह बात नहीं करती, मैसेज भेजती है, लड़के-लड़कियां दिन-रात आपस में चैट करते हैं। इसके लिए कुछ हद तक माता-पिता भी दोषी हैं। उन्हें लगता है कि वे बच्चों को संभालने का सबसे आसान तरीका सीख गये हैं। दो-ढाई साल की उम्र के बच्चे को मोबाइल पकड़ा दिया जाता है और जल्द ही उन्हें इसकी लत लग जाती है। यह जान लें कि टेक्नोलॉजी दो-तरफा तलवार है। एक ओर जहां यह वरदान है, तो दूसरी ओर मारक भी है। हमें नयी परिस्थितियों से तालमेल बिठाने के विषय में गंभीरता से सोचना होगा। बच्चा क्या कर रहा है, किस दिशा में जा रहा है, किस हद तक जा रहा है, इसका हमें पता रखना होगा। परिवर्तन पर आपका बस नहीं है, लेकिन सबसे जरूरी है कि बच्चों से संवाद बना रहना चाहिए

ब्राजील में सत्ता परिवर्तन के संदेश

डॉ. अनुज लुगुन

पिछले महीने लैटिन अमेरिका के सबसे बड़े देश ब्राजील में हुए चुनाव में वर्कर्स पार्टी की जीत के साथ लूला डीसिल्वा का राष्ट्रपति बनना तय हो गया है। लूला तीसरी बार राष्ट्रपति बनेंगे। इस जीत को विश्लेषक कई मायनों में अहम मान रहे हैं। साल 2018 के चुनाव में लूला पर भ्रष्टाचार का आरोप लगा कर चुनाव से बाहर कर दिया गया था। उसके बाद जायर बोल्सोनारो के नेतृत्व में लिबरल पार्टी की सरकार बनी थी। अब बोल्सोनारो की हार के बाद लूला के नेतृत्व में वामपंथी सरकार बनेगी। अमेरिकी महाद्वीप (उत्तरी एवं दक्षिणी) के देशों में वामपंथ के उभार का केवल क्षेत्रीय राजनीतिक महत्व नहीं है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय महत्व भी है। अमेरिकी महाद्वीप के कई छोटे-बड़े देश पूर्व में यूरोपीय देशों के उपनिवेश रहे हैं। वहां उपनिवेशवाद के विरुद्ध संघर्ष की स्मृतियां तीखी हैं। शीत युद्ध के दौरान विचारधाराओं की लड़ाई में भी उत्तरी एवं दक्षिणी अमेरिकी देशों ने बड़ी भूमिका निभायी थी।

महाशक्ति संयुक्त राज्य अमेरिका के ठीक नीचे रहते हुए भी अमेरिकी देशों ने उसके खिलाफ मजबूत मोर्चा खोल रखा था। उस वक्त क्यूबा में फिदेल कास्त्रो वामपंथी धड़े के सशक्त नेता थे। कई बार ये देश आरोप भी लगाते आये हैं कि अमेरिका न केवल अपने साम्राज्यवादी हितों को सुरक्षित करने के लिए इन देशों में राजनीतिक दखल देता है और सरकारों को अस्थिर करता है, बल्कि पूर्व के औपनिवेशिक वर्चस्व वाले यूरोपीय देश भी यहां अपने हित तलाशते हैं। इस संदर्भ में भी लूला की जीत को देखा जा रहा है। अमेरिकी महाद्वीप के देशों में वामपंथी संघर्ष की अपनी उपलब्धियां भी हैं। क्यूबा में क्रांति के पश्चात फिदेल कास्त्रो के नेतृत्व में किये गये राष्ट्रीयकरण की नीतियों ने जनता के जीवन स्तर को प्राथमिक तौर पर संवर्द्धित एवं संरक्षित किया था। वामपंथी जीवन मूल्यों और नीतियों से वेनेजुएला में शावेज ने बहुत कम समय में मानव विकास सूचकांक को समृद्ध यूरोपीय देशों के समकक्ष ला खड़ा किया था। यद्यपि उनके गुजरने के बाद वेनेजुएला संकटों से घिर गया। उन देशों में संघर्ष विचारधारा को लेकर ही नहीं, बल्कि जीवन मूल्यों को लेकर भी रहा है। चूंकि ये देश उपनिवेशवाद के विरुद्ध मुक्ति की लड़ाई लड़ कर अस्तित्व में आये हैं, इसलिए उनके यहां सामाजिक मुक्ति अब भी संघर्ष का लक्ष्य है। ब्राजील में लूला की जीत के वैचारिक आशय ये भी हैं। वे पहली बार 2003 में राष्ट्रपति बने थे। जनहित में किये गये उनके उपाय बहुत कारगर साबित हुए थे। उन्होंने गरीबी दूर करने के कार्यक्रम चलाये। शिक्षा, चिकित्सा और उचित मजदूरी एवं न्याय जैसी संकल्पनाओं ने उन्हें लोकप्रिय बनाया था। वे श्रमिक वर्गों के प्रति प्रतिबद्धता के लिए जाने जाते हैं। श्रमिक के तौर पर उन्होंने मजदूरों को संगठित करके वर्कर्स पार्टी का गठन किया, जो आगे चल कर देश में एक बड़ा राजनीतिक दल बना। इसी दौरान दुनिया में अमेरिकी नेतृत्व में चली नयी आर्थिक उदारवादी मुहिम का प्रसार ब्राजील में भी हुआ। बोल्सोनारो की दक्षिणपंथी सरकार ने पूंजीवादी आर्थिक नीतियों को लागू किया, जिसका प्रतिकूल असर हुआ। ब्राजील में कोरोना से जो तबाही मची, उसने सरकार की संवेदनहीनता एवं असफलता को उजागर कर दिया।

चुनाव में अमेजन के जंगलों में लगी आग और वनक्षरण अहम मुद्दा था। पर्यावरण कार्यकर्ता इस चुनाव को 'इलेक्शन फॉर प्लेनेट फ्यूचर' की तरह देख रहे थे। बोल्सोनारो के शासनकाल में आमेजन के जंगलों में हुए भयावह अतिक्रमण की दुनियाभर में आलोचना हुई। उसके द्वारा लाये गये एक विधेयक पर आरोप था कि यह न केवल जंगलों को उजाड़ने की छूट देता है, बल्कि इसके द्वारा स्थानीय आदिवासी समुदाय के हितों का अतिक्रमण कर जमीन और जंगल कॉर्पोरेट को सौंप दिया जायेगा। विकास के नाम पर पूंजीवादी आर्थिक विस्तार की नीति और जंगलों के अंतहीन दोहन से ब्राजील में पहले से ही असंतोष पनप रहा था। ब्राजील अमेजन के जंगल का लगभग साठ प्रतिशत हिस्सा शेयर करता है। जंगलों के अतिक्रमण से आदिवासी समुदायों में भी तीखा असंतोष था।

जीत के बाद लूला ने फिर से जनहित की बात दुहरायी है। उन्होंने कहा है कि उच्च जीवन स्तर ब्राजील के हर नागरिक का अधिकार है और यह मिलना चाहिए। उन्होंने अमेजन के जंगलों में हुए अतिक्रमण के प्रति सतर्क होते हुए वनक्षरण रोकने पर जोर दिया और कहा है कि स्थानीय आदिवासी समुदाय के हितों को सुरक्षित किया जायेगा। उन्होंने 'ग्रीन इकोनॉमी' की बात कही है। ऐसे समय में जब दुनिया से जंगल लगभग गायब होते जा रहे हैं, तब सबसे बड़े जंगलों वाले देश के प्रतिनिधि का यह आह्वान गौरतलब है। यह बात किसी से छुपी नहीं कि पूंजीवादी विकास के मॉडल ने मनुष्य और प्रकृति के संबंध को तहस-नहस कर दिया है। अमेजन जंगल को दुनिया का फेफड़ा कहा जाता है। क्या लूला आने वाले दिनों में कोई ऐसा उदाहरण पेश कर सकेंगे, जिससे दुनिया का फेफड़ा बचा रहे, यह देखा जाना है। लूला को एक तरफ ब्राजील की आंतरिक हालात सुधारने की चुनौती है, तो दूसरी ओर लातिनी अमेरिका के मुक्ति के संघर्ष के विचार को आगे ले जाना है।

सर्दियों में दिल को रखना है स्वस्थ तो खूब खाएं

मेथी के पत्ते

सर्दियों के मौसम में मेथी के पत्तों का सेवन करना कई तरह से सेहत के लिए फायदेमंद होता है। मेथी के पत्तों से आप पराठा या पूड़ी बना सकते हैं। आलू मेथी की सब्जी बनाकर खा सकते हैं। इसे आप दाल में भी डाल सकते हैं। मेथी के पत्ते खाने का स्वाद तो बढ़ाते ही हैं, साथ ही शरीर को कई तरह के पौष्टिक तत्व भी प्रदान करते हैं। न्यूट्रिशनिस्ट लवनीत बत्रा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर हाल ही में मेथी के पत्तों के फायदों के बारे में एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने इस पोस्ट में लिखा है, हरी पत्तेदार सब्जियों में मेथी की पत्तियां बेहद ही फायदेमंद होती हैं। आप इसे कई तरह से इस्तेमाल कर सकते हैं। इन हरी-हरी, छोटी-छोटी पत्तियों में कुछ ऐसे मेडिसिनल प्रॉपर्टीज मौजूद होती हैं, जो कई तरह के सेहत लाभ पहुंचाती हैं।

दिल को रखे स्वस्थ

लवनीत बत्रा के अनुसार, मेथी के पत्ते हृदय की समस्या को कम करते हैं। इसमें गैलेक्टोमैनन होने के कारण, ये पत्तियां आपके दिल के स्वास्थ्य को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। मेथी के पत्तों में उच्च मात्रा में पोटैशियम भी होता है, जो हृदय गति और रक्तचाप को नियंत्रित करने में मदद करने के लिए सोडियम की क्रिया को काउंटर करता है।

पोषक तत्व

मेथी के पत्तों में पोटैशियम, आयरन, विटामिन के, सोडियम, डायटरी फाइबर, कैल्शियम, फॉस्फोरस आदि होते हैं, जो स्वास्थ्य के लिए बेहद आवश्यक होते हैं। आइए जानते हैं मेथी के पत्तों के सेवन के स्वास्थ्य लाभ के बारे में यहां।

एंटी-डायबिटिक

यदि आप डायबिटीज के मरीज हैं, तो आपके लिए मेथी के पत्तों का सेवन फायदेमंद होगा। ऐसा इसलिए, क्योंकि मेथी में मौजूद प्राकृतिक घुलनशील फाइबर गैलेक्टोमैनन रक्त में शर्करा के अवशोषण की दर को धीमा कर देता है। इसमें इंसुलिन के उत्पादन को प्रेरित करने के लिए जिम्मेदार अमीनो एसिड भी होते हैं। आप नियमित रूप से डाइट में मेथी के पत्तों को किसी ना किसी रूप में शामिल करें।

हड्डियों को रखे मजबूत

स्वस्थ हड्डियां बनाएं रखने के लिए भी आप मेथी के पत्तों का सेवन कर सकते हैं। मेथी के पत्ते विटामिन च के उत्कृष्ट स्रोत होते हैं। हड्डी में ऑस्टियो-ट्रोफिक गतिविधि को बढ़ावा देकर हड्डियों के द्रव्यमान को मजबूत करने में विटामिन के की मुख्य भूमिका होती है। यदि सर्दियों के दिनों में आपकी हड्डियों में दर्द महसूस होता है तो आप मेथी के पत्तों से बने पराठे, सब्जी, दाल आदि का सेवन अवश्य करें।

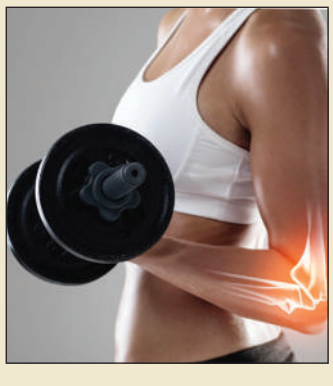

एंटीऑक्सीडेंट से होती हैं भरपूर

एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होती हैं मेथी की पत्तियां। मेथी में फेनोलिक और फ्लेवोनॉएड कम्पाउंड होते हैं, जो इसकी एंटीऑक्सीडेंट क्षमता में सुधार करने में सहायता करते हैं। इसके अलावा, मेथी के पत्तों को डाइट में शामिल करने से पाचन तंत्र सही बना रहता है। शरीर में आयरन की कमी नहीं होती है। चूंकि, इसमें फाइबर भी होता है, इसलिए इससे पेट देर तक भरा रहता है और आप कम कैलोरी का सेवन कर पाते हैं। ऐसे में वजन भी कंट्रोल में रहता है।

कहानी — तीसरी मंजिल

बुद्ध अपने प्रवचनों में उनके शिष्यों को बहुत सी कथाएं सुनाते थे। यह कथा भी उन्हीं में से एक है। कभी किसी काल में किसी नगर में दो धनी व्यापारी रहते थे। वे दोनों ही अपने धन और वैभव का बड़ा प्रदर्शन करते थे। सुविधा के लिए हम उनके नाम क और ख रख लेते हैं। एक दिन व्यापारी क अपने मित्र ख के घर उससे भेंट करने के लिए गया। क ने देखा कि ख का घर बहुत विशाल और तीन मंजिला था। 2,500 साल पहले तीन मंजिला घर होना बड़ी बात थी और उसे बनाने के लिए बहुत धन और कुशल वास्तुकार की आवश्यकता होती थी। क ने यह भी देखा कि नगर में सभी निवासी ख के घर को बड़े विस्मय से देखते थे और उसकी बहुत बड़ाई करते थे। अपने घर वापसी पर क बहुत उदास था कि ख के घर ने सभी का ध्यान खींच लिया था। उसने उसी वास्तुकार को बुलवाया जिसने ख का घर बनाया था। उसने वास्तुकार से ख के घर जैसा ही तीन मंजिला घर बनाने को कहा, वास्तुकार ने इस काम के लिए हामी भर दी और काम शुरू हो गया। कुछ दिनों बाद क काम का मुआयना करने के लिए निर्माणस्थल पर गया। जब उसने नींव खोदे जाने के लिए मजदूरों को गहरा गड्ढा खोदते देखा तो वास्तुकार को बुलाया और पूछा कि इतना गहरा गड्ढा क्यों खोदा जा रहा है। मैं आपके बताये अनुसार तीन मंजिला घर बनाने के लिए काम कर रहा हूं, वास्तुकार ने कहा, सबसे पहले मैं मजबूत नींव बनाऊंगा, फिर क्रमशः पहली मंजिल, दूसरी मंजिल और तीसरी मंजिल बनाऊंगा। मुझे इस सबसे कोई मतलब नहीं है! क ने कहा, तुम सीधे ही तीसरी मंजिल बनाओ और उतनी ही ऊंची बनाओ जितनी ऊंची तुमने ख के लिए बनाई थी। नींव की और बाकी मंजिलों की परवाह मत करो! ऐसा तो नहीं हो सकता। वास्तुकार ने कहा, ठीक है, यदि तुम यह नहीं करोगे तो मैं किसी और से करवा लूंगा, क ने नाराज होकर कहा। उस नगर में कोई भी वास्तुकार नींव के बिना वह घर नहीं बना सकता था, फलतः वह घर कभी न बन पाया।

हंसना मना है

प्यार किया तो डरना क्या। इस लाइन के बहकावे में आकर न जाने कितने आशिकों ने भरे बाजार में सैकड़ों जूते खाए हैं।

डॉक्टरः आपने आने में देर कर दी। मरीजः क्या हुआ डॉक्टर साहब, कितना वक्त बचा है मेरे पास। डॉक्टरः मर नहीं रहे हो, 6 बजे का अप्वॉइंटमेंट था और तुम 7 बजे आए हो।

गप्पूः क्या हुआ भाई, क्यों परेशान हो। पप्पूः यार पता नहीं वे कौन से लोग हैं जिनके सपनों में राजकुमारी या हसीनाएं आती हैं। मेरे सपनों में तो मैं कभी मर जाता हूं, कभी गहरी खाई में गिर जाता हूं, कभी मुझे भूत उठा ले जाते हैं।

पत्नी ने बर्तन धोने के बाद पति को चाय बनाकर दी, पप्पू बताओ कि इस वाक्य में बर्तन कौन धो रहा है।

10 अंतर खोजें

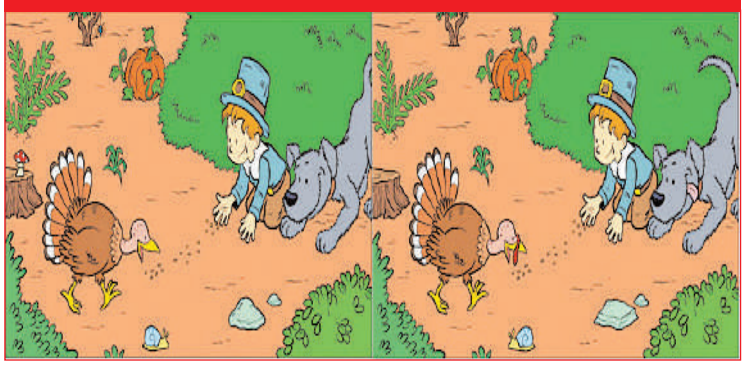

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — दूर से बुरी सूचना प्राप्त हो सकती है। किसी व्यक्ति से विवाद संभव है। स्वाभिमान को चोट पहुंच सकती है। पुराना रोग उभर सकता है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

वृषभ — मेहनत का फल मिलेगा। कार्य पूर्ण होंगे। प्रसन्नता तथा उत्साह से काम कर पाएंगे। मित्रों तथा संबंधियों की सहायता करने से मान-सम्मान मिलेगा। व्यापार ठीक चलेगा।

मिथुन — भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। व्यय होगा। आत्मसम्मान बना रहेगा। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। कोई बड़ा काम करने का मन बनेगा। सावधान रहें।

कर्क — यात्रा लाभदायक रहेगी। भेंट उपहार की प्राप्ति हो सकती है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। समय की अनुकूलता का लाभ लें। प्रमाद न करें। निवेश शुभ फल देगा।

सिंह — नए संबंध बनाने से पहले विचार कर लें। अपरिचितों पर अधिक भरोसा ठीक नहीं। फालतू खर्च पर नियंत्रण रखें। आर्थिक तंगी रहेगी। मन में दुविधा रहेगी।

कन्या — डूबी हुई रकम प्राप्ति होने के योग हैं। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। आय बढ़ेगी। व्यापार-व्यवसाय से संतुष्टि रहेगी। किसी समस्या का अंत होगा।

तुला — कार्यकारी नए अनुबंध हो सकते हैं। योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर सुधार या परिवर्तन हो सकता है। मित्रों तथा संबंधियों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा।

वृश्चिक — कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। पूजा-पाठ में मन लगेगा। सत्संग का लाभ प्राप्त होगा। कोर्ट व कचहरी के कार्यों में गति आएगी।

धनु — चोट व दुर्घटना आदि से शारीरिक व आर्थिक हानि की आशंका है। लापरवाही न करें। क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। हताशा का अनुभव होगा।

मकर — जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। घर में प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। कारोबार मनोनुकूल लाभ देगा। नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता प्राप्त होगी।

कुम्भ — भूमि व भवन संबंधी क्रय-विक्रय की योजना बनेगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। परीक्षा व प्रतियोगिता आदि में सफलता प्राप्त होगी। आय में वृद्धि होगी। प्रयास सफल रहेंगे।

मीन — शैक्षणिक व शोध इत्यादि के कार्यों में सफलता प्राप्त होगी। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। नौकरी में कोई नया काम कर पाएंगे।

बॉलीवुड | मन की बात

बिग बॉस-16 में एंट्री करने जा रहे हैं रोहन गंडोत्रा

काला टीका फेम रोहन गंडोत्रा टीवी इंडस्ट्री पर राज करते हैं। ऐसे में उनकी फीमेल फैन फॉलोइंग भी दमदार है। दिलों पर राज करने वाले रोहन अब बिग बॉस 16 में बतौर वाइल्ड कार्ड एंट्री करने जा रहे हैं। लोग बेसब्री से रोहन का इस शो पर इंतजार कर रहे हैं। हाल ही में खुद रोहन ने इस शो में जाने के बारे में बात की है। रोहन गंडोत्रा छोटे पर्दे का बड़ा नाम है। ऐसे में एक्टर ने खुद इस बात का खुलासा किया है कि 5-6 सालों से बिग बॉस लगातार उनसे कांटेक्ट बनाकर रख रहे हैं। ऐसे में हर बार मिलने वाले इस ऑफर को उन्होंने इस बार स्वीकार कर लिया है। हालांकि रोहन गंडोत्रा अभी भी मेकर्स के साथ अपनी पोजिशन को लकेर चर्चा कर रहे हैं। गोहन गंडोत्रा ने हाल ही में ये खुलासा किय कि वो शुरू से ही बिग बॉस करने के पक्षधर नहीं थे। इसका पहला कारण था प्रोफेशनल कमिटमेंट्स दूसरा था कि वो उस वक्त शो के लिए तैयार नहीं थे। मेकर्स पिछले 5-6 सालों से अप्रोच कर रहे थे और रोहन उन्हें लगातार इनकार। ऐसे में रोहन ने शो से जुड़ा अपना एक बड़ा डर भी शेयर किया। रोहन गंडोत्रा का कहना है कि उन्हों शो में जाने से डर लग रहा है। मुझे नहीं लगता कि मैं मेंटली इतना मजबूत हूं कि घर के अंदर की चिक-चिक और स्ट्रेस झेल सकूं। हर किसी को खाने को लेकर लड़ाई करनी है और खाने की कमी पर मुझे हमेशा गुस्सा आता है। बेशक कम समय में ये अच्छा पैसा कमाने का मौका है, लेकिन पैसा तो बाद में भी आ जाएगा। मेरे लिए मेंटल हेल्थ सबसे ऊपर है। मैं कई महीनों तक इमोशनली तौर पर परेशान नहीं होना चाहता।

पर्दे पर विकलांग क्रिकेटर बनेंगी सैयामी

बॉलीवुड | मसाला

सैयामी खेर अभी तक तो फिल्मी दुनिया में अपना जादू बिखेरने में पूरी तरह से नाकामयाब रही हैं। लेकिन अब उन्हें विश्वास है कि एक स्पोर्ट्स वुमन बनकर लोगों के दिलों में अपनी जगह और बॉलीवुड में अपनी पहचान बनाने में कामयाब होंगी।

सैयामी खेर आर बाल्की की मचअवेटेड फिल्म घूमर का हिस्सा हैं। ये एक स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म है और इसमें सैयामी एक विकलांग महिला क्रिकेटर के रोल में दिखेंगी। विकलांग होकर क्रिकेटर बनने का सपना देखना और फिर तमाम मुश्किलों का सामना करते हुए इस सपने को सच करने की कहानी को सैयामी पर्दे पर दिखाएंगी। उन्हें अपनी इस फिल्म से काफी उम्मीदे हैं।

सैयामी ने बताया कि वो अपनी अगली फिल्म घूमर में विकलांग क्रिकेटर के किरदार में दिखेंगी। इस फिल्म में सैयामी के अपोजिट अभिषेक बच्चन लीड रोल में होंगे। अपने रोल के बारे में बात करते हुए सैयामी ने कहा- घूमर मेरे लिए अब तक का सबसे ज्यादा शारीरिक और मानसिक तौर पर चैलेंजिंग रोल रहा है। ये सिर्फ इसलिए मुश्किल नहीं है, क्योंकि ये एक क्रिकेटर का रोल है, बल्कि वो एक विकलांग क्रिकेटर है। सैयामी ने आगे कहा-मेरे लिये ये रोल बहुत ज्यादा चैलेंजिंग रहा है। मैं अभिषेक बच्चन की बड़ी फैन हूं, क्योंकि वो बहुत ज्यादा रियल और सिक्योर हैं। वो बहुत ईमानदार हैं, उनके साथ काम करके काफी अच्छा लगा।

बता दें कि घूमर फिल्म को आर बाल्की बना रहे हैं। आर बाल्की सिनेमा लवर्स को चीनी कम, पैडमैन, पा जैसी फिल्में दे चुके हैं। उनकी आखिरी फिल्म क्राइम थ्रिलर चुप थी।

सैयामी खेर भले ही अब बॉलीवुड में अपनी पहचान बनाने में कड़ी मेहनत कर रही हैं, लेकिन कम ही लोग जानते हैं कि ये ग्लैमरस एक्ट्रेस एक्टिंग में आने से पहले स्पोर्ट्स वुमन भी रह चुकी है। सैयामी एक क्रिकेटर भी थीं। सैयामी ने महाराष्ट्र के लिए स्टेट लेवल तक क्रिकेट खेला है। सैयामी एक फास्ट बॉलर थीं। उन्हें वुमंस क्रिकेट की नेशनल टीम में सिलेक्शन के लिए भी इनवाइट किया गया था। फीमेल क्रिकेट वर्ल्ड की सैयामी एक राइजिंग स्टार बन चुकी थीं। लेकिन सैयामी ने क्रिकेट छोड़कर एक्टिंग में करियर बनाने का फैसला किया। क्रिकेट छोड़ने की वजह बताते हुए सैयामी ने कहा था कि उन्हें लगा कि क्रिकेट में करियर बनाने का तब तक कोई मतलब नहीं है जब तक मेन टीम में सिलेक्शन ना हो। इसी वजह से उन्होंने एक्टिंग का रुख किया। सैयामी ने अब एक्टिंग को ही अपने करियर के लिए चुन लिया है। हालांकि, क्रिकेट के लिए उनका प्यार अभी भी कायम है। छुट्टी के दिन वो अक्सर क्रिकेट खेलकर अपना दिन गुजारती हैं। नवजोत सिंह सिद्धू भी सैयामी की क्रिकेट की तारीफ कर चुके हैं।

ओटीटी पर स्ट्रीम होगी आयुष्मान की डॉक्टर जी

आयुष्मान खुराना और रकुल प्रीत सिंह स्टारर 'डॉक्टर जी' इस साल 14 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म दर्शकों को ज्यादा इंप्रैस तो नहीं कर पाई थी, लेकिन फिल्म की कहानी ने लोगों को काफी प्रभावित किया है। डॉक्टर जी की कहानी एक मेडिको के बारे में है जो आर्थोपेडिक्स में स्पेशलिटी हासिल करना चाहता है, लेकिन उसका गायनकलॉजी में एडमिशन होता है। फिल्म में शेफाली शाह और शीबा चड्ढा अहम किरदार को निभाती नजर आई हैं। वहीं रकुलप्रीत का किरदार भी काफी मजेदार है। अगर आप सिनेमाघरों में फिल्म नहीं देख पाए थे तो अब ओटीटी पर देख सकते हैं।

सिनेमा रेयर के ट्विटर अकाउंट पर डॉक्टर जी की ओटीटी रिलीज की तारीख अनाउंस कर दी गई है। फिल्म11 दिसंबर से नेटफ्लिक्स इंडिया पर स्ट्रीम होगी। पेज ने स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म के अपकमिंग सेक्शन से एक स्नैपशॉट शेयर किया है जिसके मुताबिक आने वाले रविवार को फिल्म ओटीटी पर रिलीज होगी। 'अंधाधुंध' एक्टर आयुष्मान खुराना के अलावा 'डॉक्टर जी' में शेफाली शाह सहित तीन शानदार लेडी आर्टिस्ट हैं।

अजब-गजब | ग्वाटेमाला में निभाई जाती है अनोखी परंपरा

मुर्दों से भी वसूल किया जाता है किराया

दुनिया में बहुत हैरान करने वाली चीजें होती हैं। आज हम आपको एक ऐसी हैरान करने वाली जगह क बारे में बताने जा रहे हैं, जिसके बारे में जानकर आप हैरान हो जाएंगे। दरअलल, हम आपको मध्य अमेरिका में स्थित ग्वाटेमाला के बारे में बताने जा रहे हैं, ये देश हरियाली और खूबसूरती से लिया जाना जाता है। यह देश एक समय में ऐसा था, जो गृहयुद्ध की आग में जल रहा था। इसके बावजूद यहां के लोग काफी मुस्कुराते रहते थे। एक रिपोर्ट के मुताबिक, आज भी ग्वाटेमाला में दुनिया की सबसे ज्यादा हत्याएं होती हैं।

इसके बाद भी यहां के लोग हमेशा हंसते-मुस्कुराते रहते हैं। बस यहां एक अजीबो-गरीब नियम की वजह से इस देश को लोग हैरान भरी नजरों से देखते हैं। दरअसल, यहां मुर्दों को कब्र में रखने के लिए भी हर महीने किराया भरना पड़ता है। जिस शख्स के परिजन की कब्र होती है, अगर वो किसी महीने किराया नहीं दे पाता है तो मुर्दे को कब्र से बाहर निकालकर रख दिया जाता है और सामूहिक कब्र में डाल दिया जाता है। उसके बाद उस कब्र में किसी और मुर्दे को रख दिया जाता है। दरअसल, यहां जगह की कमी के चलते बहुमंजिली इमारतों जैसे कब्रिस्तानों का चलन

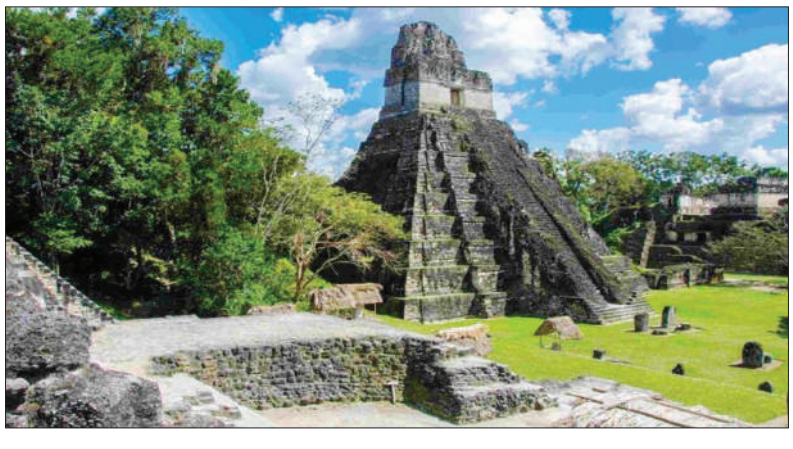

है। इसीलिए यहां एक के ऊपर एक कब्र बनी होती है और अगर किराया नहीं दिया गया, तो वहां के शव को बाहर निकाल कर नए शव को अंदर दफना दिया जाता है। बता दें कि यहां कब्रों का किराया काफी महंगा है। इसलिए मृतकों के परिजन हमेशा इस डर में रहते हैं कि जाने कब उनके प्रिय परिजन के शव को कब्र से बाहर निकाल दिया जाए। यहां कब्रिस्तान में आपको ऐसे कई ऐसे नजारे देखने को मिलेंगे जहां किराया न भरने के चलते कुछ शवों को कब्र से बाहर निकाल दिया गया है। कई शव तो खड़े जैसे दिखते हैं। इस मामले में ग्वाटेमाला प्रशासन का कहना है कि ज्यादा आबादी और कम जगह होने के चलते ऐसे नियम बनाने की मजबूरी है। यहां अमीर लोग तो अपने जीते जी कब्र के लिए पैसों की व्यवस्था कर देते हैं लेकिन लेकिन गरीबों के लिए ये मुश्किल भरा काम होता है। हालांकि, प्रशासन ने हर शहर के बाहर एक सामूहिक ग्राउंड बनाया है जहां हर साल उन शवों को दफनाया जाता है जिनके परिजन समय पर किराया नहीं भर पाते।

दुनिया के सबसे अनोखे एयरपोर्ट पर नहीं है रनवे, बीच पर होती है विमानों की लैंडिंग

आपने दुनियाभर के तमाम एयरपोर्ट के बारे में सुना होगा, जिनकी अपनी-अपनी खासियतें होती हैं। लेकिन क्या कभी किसी ऐसे एयरपोर्ट के बारे में सुना है जिसका कोई रनवे ही ना हो। लेकिन फिर भी वहां से विमान उड़ान भरते हैं। दरअसल, स्कॉटलैंड के बारा द्वीप पर एक एयरपोर्ट है। जो अपने आप में सबसे अनौखा है, इस एयरपोर्ट का नाम बारा बीच एयरपोर्ट है। जिसे बारा एयरपोर्ट के नाम से भी जाना जाता है। ये एयरपोर्ट 80 साल से भी ज्यादा पुराना है। बावजूद इसके इसपर कोई रनवे नहीं है। ये एयरपोर्ट उत्तर अटलांटिक महासागर के तट पर स्थित है जो दुनिया का पहला ऐसा हवाईअड्डा है जहां कोई रनवे नहीं है। और यहां बीच पर ही प्लेन लैंड करते हैं। उच्च ज्वार की स्थिति में यहां बाकायदा चेतावनी जारी की जाती है कि विमान लैंड ना करें। बता दें कि बारा दुनिया का अकेला एयरपोर्ट है, जहां शेड्यूल फ्लाइट्स लैंड करती हैं। यह एयरपोर्ट ग्लासगो एयरपोर्ट से भी जुड़ा हुआ है। समुद्री तूफान की आने की दशा में इसकी सूचना पर एयरपोर्ट बंद कर दिया जाता है और सभी उड़ानें रद्द कर दी जाती हैं। बारा एयरपोर्ट पर ज्यादातर छोटे विमान ही लैंड करते हैं। यहां रोजाना स्कॉटिश एयरलाइन की दो फ्लाइट्स पहुंचती हैं।

यहां किसी तरह की कोई रनवे नहीं है। और विमान रेत पर ही लैंड करता है। ज्वार आने के दौरान लैंडिंग का वक्त बदल दिया जाता है। यही नहीं बीच के किनारे एक छोटी सी बिल्डिंग बनाई गई है, जिसे टर्मिनल कहा जाता है। इसी टर्मिनल से एयरक्राफ्ट से बिल्डिंग तक जाने के लिए भी किसी भी तरह का ब्रिज या पट्टी नहीं बनाई गई है।

सीएम योगी की भाजपा विधायकों को नसीहत, निकाय चुनाव पर रखें ध्यान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भाजपा और सहयोगी दलों के विधानसभा और विधानपरिषद सदस्यों को निकाय चुनाव पर ध्यान केंद्रित करने की नसीहत दी है। कहा, सभी अपने क्षेत्र में सक्रिय रहे और केंद्र व राज्य सरकार की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाएं। लोकभवन में एनडीए विधायक दल की बैठक में मुख्यमंत्री ने ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2023 की ब्रांडिंग के बाबत भी सदस्यों को निर्देश दिए। कुंभ मेले की तैयारियों पर भी उन्होंने चर्चा की। विधानसभा के शीतकालीन सत्र पर भी बैठक में औपचारिक चर्चा हुई।

प्रदेश सरकार ने बहुप्रतीक्षित नगरीय निकायों के मेयर व अध्यक्ष पद का अनंतिम आरक्षण सोमवार को जारी कर दिया। लखनऊ, कानपुर, गोरखपुर, गाजियाबाद, वाराणसी, बरेली, फिरोजाबाद व शाहजहांपुर नगर निगम इस बार अनारक्षित रखे गए हैं। सरकार ने 17 नगर निगमों के साथ ही कुल 760 नगरीय निकायों के अध्यक्ष पद का अनंतिम आरक्षण जारी करते हुए सात दिनों में आपत्तियां व सुझाव मांगे हैं।

सात दिनों में मांगी आपत्तियां व सुझाव 14 को जारी होगी अंतिम अधिसूचना

दो दिनों में आपत्तियों के निस्तारण के बाद 14 दिसंबर को अंतिम अधिसूचना जारी होने की उम्मीद है। नगर विकास मंत्री एके शर्मा ने सोमवार को नगरीय निकायों के मेयर व अध्यक्ष पद का अनंतिम आरक्षण जारी कर दिया। कुल 762 नगरीय निकायों में महाराजगंज की नगर पालिका परिषद सिसवा बाजार व बस्ती की नगर पंचायत भानपुर के गठन व सीमा विस्तार को लेकर मामला सुप्रीम कोर्ट व हाईकोर्ट में विचाराधीन है इसलिए इन दोनों का आरक्षण घोषित नहीं किया गया है। उन्होंने बताया कि नगर निगमों के मेयर पद में इस बार आगरा नगर निगम एससी महिला, झांसी एससी, मथुरा-वृंदावन व अलीगढ़ ओबीसी महिला, मेरठ व प्रयागराज ओबीसी, अयोध्या, सहारनपुर व मुरादाबाद नगर निगम में मेयर का पद महिलाओं के लिए आरक्षित किया गया है।

लालू की सर्जरी पर बोले सीएम नीतीश

मैंने तेजस्वी से बात की है...सब ठीक है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। सिंगापुर के माउंट एलिजाबेथ अस्पताल में राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव का किडनी ट्रांसप्लांट सोमवार को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया। सीएम नीतीश कुमार ने इस पर कहा कि उन्होंने तेजस्वी यादव से फोन पर बात कर लालू यादव के स्वास्थ्य की जानकारी ली है। तेजस्वी यादव ने उन्हें बताया की अब वह बिल्कुल ठीक हैं ।

बिहार के पूर्व सीएम लालू प्रसाद यादव के स्वास्थ्य पर बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने कहा, वह ठीक हैं। खुशी की बात है कि सब कुछ ठीक रहा। डॉक्टरों ने भी कहा है कि वह ठीक हैं। मैंने तेजस्वी यादव से भी बात की है। उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने ट्वीट कर इस आशय की जानकारी दी। उन्होंने अपने ट्वीट में कहा कि पापा का किडनी ट्रांसप्लांट आपरेशन सफलतापूर्वक होने के बाद उन्हें आपरेशन थियेटर से इंटेंसिव केयर यूनिट (आइसीयू) में शिफ्ट किया गया है। वह स्वस्थ हैं। किडनी देने वाली तेजस्वी की बहन रोहिणी आचार्य भी स्वस्थ हैं।

यूपी बोर्ड परीक्षा के प्रश्नपत्रों की जीपीएस ट्रैकिंग से होगी निगरानी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी बोर्ड की हाईस्कूल व इंटरमीडिएट की परीक्षा में अब नकल को रोकने के लिए और सख्ती की जाएगी। प्रश्नपत्र आउट न हो सकें इसके लिए जिलों में स्ट्रांग रूम और फिर वहां से परीक्षा केंद्रों तक इन्हें पहुंचने तक इनकी जीपीएस ट्रैकिंग की जाएगी।

अगर कहीं कोई गड़बड़ी होगी तो उसे तुरंत पकड़ लिया जाएगा। तत्काल दूसरे सेट के प्रश्नपत्र से परीक्षा करा ली जाएगी। इसकी मुख्यालय से सर्विलांस के माध्यम से निगरानी होगी और बोर्ड परीक्षा केंद्रों में सीसीटीवी कैमरे आवश्यकता के अनुसार बढ़ाए जाएंगे। अनुपूरक बजट में सरकार ने नकल विहीन परीक्षा के लिए पोटली खोल दी है।

बोर्ड परीक्षा के प्रश्नपत्रों की जीपीएस ट्रैकिंग व सर्विलांस के माध्यम से निगरानी करने तथा परीक्षा केंद्रों पर जरूरत के अनुसार और सीसीटीवी कैमरे लगाने पर 50 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

सुचारू ढंग से परीक्षाएं कराई जा सकेंगी संपन्न

माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा आयोजित यूपी बोर्ड की हाईस्कूल व इंटरमीडिएट की परीक्षा की कापियों के मूल्यांकन और कक्ष निरीक्षक की ड्यूटी करने वाले शिक्षकों के शैक्षिक सत्र वर्ष 2018-19, वर्ष 2019-20 और वर्ष 2020-21 के पारिश्रमिक के लंबित भुगतान को देने के लिए पांच करोड़ रुपये की धनराशि का प्राविधान किया गया है। ताकि आगे बोर्ड परीक्षा में शिक्षक लंबित भुगतान को लेकर किसी भी तरह का विरोध न करें और सुचारू ढंग से परीक्षाएं संपन्न कराई जा सकें।

रूमी दरवाजे की मरम्मत का कार्य प्रारंभ, यातायात परिवर्तित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। रूमी गेट की मरम्मत और सौंदर्यीकरण की तैयारी शुरू हो गई है। इसके लिए रूमी गेट के नीचे ट्रैफिक को पूरी तरह बंद कर दिया जाएगा। यहां से जाने वाले ट्रैफिक को डायवर्ट किया जाएगा। रविवार को पीडब्ल्यूडी ने वैकल्पिक मार्ग बनाने का काम शुरू कर दिया है। इसके तहत गुलाब वाटिका की ओर रूमी गेट के बगल से एक खाली रास्ता बनाया जा रहा है। इस रास्ते से आने-जाने वाले वाहन इसी रास्ते से गुजरेंगे। यह व्यवस्था मंगलवार से शुरू हो जाएगी।

गुलाब वाटिका की ओर जाने वाले फुटपाथ को रैम्प बनाकर दुपहिया वाहनों के लिए उपयोग किया जाएगा। यहां से दोनों तरफ से आने-जाने वाले वाहन गुजरेंगे। वहीं, पार्क और गुलाब वाटिका के बीच का मार्ग, जो वर्तमान में पार्किंग के लिए उपयोग किया जाता है, वहां से हल्के वाहनों को हटाने के लिए तैयार है।

भारी वाहनों को टीले की मस्जिद के बगल वाले सेतु की ओर मोड़ दिया जाएगा। केजीएमयू की तरफ से आने वाले वाहन पक्के पुल से पहले टीला मस्जिद के बगल से जाएंगे। वहीं हुसैनाबाद की ओर से आने वाले वाहन कुड़िघाट से चढ़कर पुल की ओर जाएंगे। रूमी गेट की मरम्मत के लिए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग को यहां से आने वाले ट्रैफिक को रोकने के लिए कहा गया था। इस पर स्मार्ट सिटी, जिला प्रशासन और पीडब्ल्यूडी ने मिलकर काम करना शुरू कर दिया है। डीएम सूर्यपाल गंगवार ने शनिवार को परियोजना का निरीक्षण किया था और अधिकारियों को काम में तेजी लाने के निर्देश दिए। इसके बाद रविवार को पीडब्ल्यूडी ने रूमी गेट के पास गुलाब वाटिका से रैंप बनाने का काम शुरू किया था। रूमी गेट से आने वाले ट्रैफिक को किस तरफ से डायवर्ट किया जाए, ताकि अन्य रूटों पर इसका बुरा असर न पड़े, इसके लिए पीडब्ल्यूडी, जिला प्रशासन व स्मार्ट सिटी की देखरेख में सुझाए गए वैकल्पिक रूट पर ट्रैफिक डायवर्ट किया जाएगा। इसकी रिपोर्ट आने के बाद अन्य रूटों पर भी ट्रायल रन किया जाएगा। सबसे पहले गेट के बगल में रैम्प बनाया जा रहा है और उसका उपयोग किया जा रहा है।

राहुल गांधी का भाजपाइयों को फ्लाइंग किस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। दरअसल, सुबह छह बजे राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा झालावा के खेल संकुल से शुरू हुई। यात्रा के रूट पर आगे भाजपा कार्यालय भी था, जिसकी छत पर राहुल गांधी और यात्रा को देखने के लिए लोग सुबह से ही जमा थे। यात्रा के साथ पैदल चल रहे राहुल गांधी भाजपा कार्यालय के सामने से गुजरे तो उन्होंने फ्लाइंग किस देकर भाजपा कार्यकर्ताओं का अभिवादन किया। जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। बता दें कि यात्रा में सीएम अशोक गहलोत, पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट और कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा सहित प्रदेश के अन्य नेता सुबह से ही राहुल गांधी के साथ चल रहे हैं।

आज यात्रा कोटा जिले में प्रवेश करेगी। देवरी घटा, सुकेत, हिरिया खेड़ी के रास्ते दर्रा के खेल मैदान मोरु कलां पहुंचेगी। यहां यात्रा का रात्रि विश्राम किया जाएगा। अब नौ दिसंबर की सुबह तक भारत जोड़ो यात्रा कोटा में ही रहेगी। आठ दिसंबर को यात्रा को विराम दिया गया है।

चौथे दिन यात्रा विश्राम

तीन दिन की यात्रा के बाद चौथे दिन आठ दिसंबर विश्राम दिवस घोषित किया गया है। यात्रा मदन मोहन मालवीय फार्म हाउस में ही रुकेगी। हालांकि, राहुल गांधी का कार्यक्रम क्या है इसे लेकर अब तक जानकारी सामने नहीं आई है।

कल ये रहेगा यात्रा का रूट

सात दिसंबर को यात्रा कोटा के दर्रा स्टेशन गणेश मंदिर से शुरू होगी। अकलंग स्कूल मंडाना में लंच होगा जिसके बाद मांदल्या रोड मंडाना होते हुए लाडपुरा के रास्ते जगपुरा कोटा के मदनमोहन मालवीय फार्म हाउस पहुंचेगी। इसी फार्म हाउस में यात्रा का रात्रि विश्राम होगा।

राहुल गांधी को कोर्ट में पेशी से मिली राहत

मुंबई। बांबे हाईकोर्ट ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर मानहानि टिप्पणी को लेकर कांग्रेस नेता व सांसद राहुल गांधी के खिलाफ चल रहे मानहानि के मामले में गिरगांव मैजिस्ट्रेट कोर्ट में उपस्थित से राहुल को मिली राहत को 25 जनवरी 2023 तक के लिए बढ़ा दिया है। सोमवार को यह मामला न्यायमूर्ति अमित बोरकर के सामने सुनवाई के लिए आया। राहुल की ओर से पैरवी कर रहे अधिवक्ता सुदीप पासबोला ने न्यायमूर्ति के सामने कहा कि इस मामले से जुड़ा शिकायतकर्ता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर की गई टिप्पणी को अपनी बदनामी बता रहा है। इस पर न्यायमूर्ति ने कहा कि हम 20 जनवरी को मामले को सुनेंगे और मामले में याचिकाकर्ता(राहुलगांधी) को मिली राहत को 25 जनवरी तक के लिए बढ़ाया जाता है। गिरगांव मजिस्ट्रेट कोर्ट ने राहुल गांधी को 25 नवंबर 2021 को कोर्ट में हाजिर रहने का निर्देश दिया था जिसके खिलाफ राहुल गांधी ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की है।

फिरौती के लिए अगवा बच्चे का मिला शव, तीन आरोपी गिरफ्तार

4पीएम न्यूज नेटवर्क

देवरिया, उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले में सात वर्षीय छात्र नासिर की अपहरण के बाद हत्या कर दी गई। अपहर्ताओं ने 30 लाख रुपये की फिरौती मांगी थी। एसओजी ने कुशीनगर के हाटा के रामपुर बुजुर्ग गांव के पोखरे से शव को बरामद कर लिया। इस मामले में रामपुर कारखाना के पिपरा मदनगोपाल गांव के आरोपित अजहरुद्दीन, सूरज भारती निवासी शाहपुर बेलवा तथा अनीस अंसारी निवासी पिपरा मदन गोपाल को गिरफ्तार कर लिया।

बदमाशों ने मोहल्ले में स्थित मजार के पास गुमटी पर अपहरण करने व फिरौती मांगने की सूचना चस्पा की है। पिता की सूचना पर सक्रिय हुई पुलिस ने शक के आधार पर एक युवक को हिरासत में लिया है। एसओजी युवक को साथ लेकर बच्चे के बरामदगी के लिए दबिश के लिए निकली थी।

शहर के कसया बाईपास रोड नियर यूनिवर्सल पब्लिक स्कूल कृष्णा कालोनी के रहने वाले ईद मोहम्मद के पुत्र नासिर शहर के मालवीय रोड स्थित अंजुमन इस्लामिया में पढ़ाई करते थे। अपहरणकर्ताओं ने चार दिसंबर को अपहरण कर लिया था। स्वजन बच्चे के खोने की शिकायत लेकर सदर कोतवाली में पहुंचे थे। बच्चे की काफी खोजबीन की, लेकिन पता नहीं चला। मंगलवार को अपहरणकर्ताओं ने मजार के समीप गुमटी पर सूचना चस्पा की। जिस पर लिखा था कि बकरीदन भाई, तुम्हारे लड़के को उठाने के लिए मोहल्ले के एक आदमी ने एक लाख रुपये दिए हैं। यदि तुमको लड़का चाहिए तो 30 लाख रुपये लेकर 10 दिसंबर को कुशीनगर के नैका छपरा, मदरहां चौराहा के पास कसया एयरपोर्ट के मैदान में कहीं पर रख देना। पैसे रखकर वापस घर आ जाना। तुम्हारे लड़के को दुकान पर रख देंगे। यह आखिरी सूचना है।

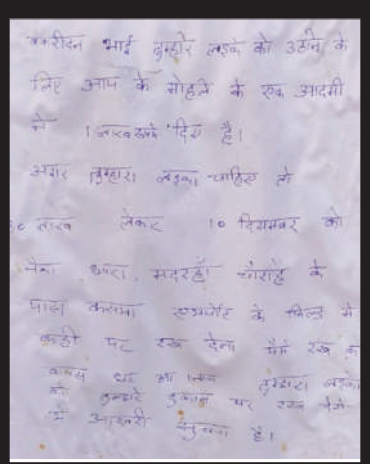

नासिर के परिवार में मचा कोहराम

मृत्यु की सूचना मिलने के बाद स्वजन बदहवास हो गए। स्वजन का रो रो कर बुरा हाल था। मजार के पास दुकान लगाते हैं ईद मोहम्मद जिस बच्चे का अपहरण के बाद हत्या कर दी गई, उनके पिता ईद मोहम्मद मजार के पास ठेला लगाकर सामान बेचते हैं। इसी लिए अपहर्ताओं ने मजार के समीप फिरौती मांगने के लिए गुमटी पर सूचना चस्पा किया था।

सीसी कैमरे में कैद हुए थे सूचना चस्पा करने वाले

पुलिस ने मजार के अगल-बगल लगाए गए सीसी कैमरों को खंगाला। एक जगह कैमरे में दो लोग जाते हुए दिख रहे थे। पुलिस ने एक युवक को हिरासत में लेकर कड़ाई से पूछताछ की तो सच सामने आ गया।

> “बच्चे का अपहरण कर हत्या कर दी गई। शव कुशीनगर के रामपुर बुजुर्ग गांव के पोखरे से बरामद कर लिया गया है। तीन अपहरणकर्ताओं को पुलिस ने पकड़ लिया है। -संकल्प शर्मा, एसपी देवरिया

पूर्व मंत्री विजय बहादुर पाल का निधन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व में अखिलेश यादव सरकार में माध्यमिक शिक्षा मंत्री रहे विजय बहादुर पाल का आज लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। पूर्व मंत्री के निधन से समाजवादी पार्टी के खेमे में शोक की लहर व्याप्त है। पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने उनके निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है।

इंदरगढ़ निवासी विजय बहादुर पाल तिर्वा विधानसभा क्षेत्र से वर्ष 2012 में निर्वाचित हुए थे। अखिलेश यादव की सरकार में उन्हें माध्यमिक शिक्षा मंत्री बनाया गया था। ये अपने विधानसभा क्षेत्र में काफी लोकप्रिय थे। इसके बाद 2017 में हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा की लहर की दौरान उन्हें भाजपा प्रत्याशी से हार का सामना करना पड़ा। विजय बहादुर अपने बयानों को लेकर अक्सर सुर्खियों में बने रहते थे। वर्ष 2016 में पूर्व मंत्री विजय बहादुर पाल ने फतेहपुर में एक सभा के दौरान बसपा सुप्रीमो पर बड़ा बयान दिया था। अखिलेश यादव ने विजय बहादुर पाल के निधन पर ट्वीट भी किया। इसमें उन्होंने दुख जाहिर किया और लिखा कि पूर्व मंत्री विजय बहादुर पाल तिर्वा क्षेत्र से कई बार विधायक रहें। उन्होंने शोकाकुल परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की है।

विधानसभा सत्र की झलकियां

फोटो: सुमित कुमार

आशीष मिश्रा मोनू समेत 14 लोगों पर आरोप तय

» लखीमपुर तिकुनिया कांड : हिंसा में 4 किसानों समेत आठ लोगों की हुई थी मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। लखीमपुर खीरी के बहुतचर्चित तिकुनिया हिंसा मामले में कोर्ट ने मंगलवार को केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा 'टेनी' के बेटे आशीष मिश्रा समेत कुल 14 आरोपियों के खिलाफ आरोप तय कर दिया है। सभी को हत्या, हत्या का प्रयास समेत कई धाराओं में आरोपी बनाया गया है। इस मामले में केंद्रीय गृहराज्य मंत्री अजय कुमार मिश्रा टेनी के बेटे आशीष मिश्रा हिंसा मामले में मुख्य आरोपी हैं। इस हिंसा में चार किसानों समेत 8 लोगों की मौत हो गई थी।

मालूम हो कि कल ही यानी 5 दिसंबर को आशीष मिश्रा के अलावा 13 अन्य आरोपियों की डिस्चार्ज एप्लिकेशन खारिज कर दी गई थी। इन आरोपियों ने कोर्ट में याचिका के जरिए अपना पक्ष रखते हुए कहा था कि हम घटना में शामिल नहीं थे। इसलिए हम पूरी तरह निर्दोष हैं, लेकिन कोर्ट ने आरोपियों की याचिका को खारिज कर दिया है। जानकारी के मुताबिक एडीजे फर्स्ट सुशील श्रीवास्तव की कोर्ट में धारा 147, 148, 149, 326, 30, 302, 120 क्र 427 और धारा 177 में आरोप तय किए गए हैं। सभी आरोपियों के खिलाफ आरोप तय करने के लिए पर्याप्त आधार पाए गए हैं। इसके अलावा आरोपी सुमित जायसवाल के खिलाफ धारा 3/25, आशीष मिश्र, अंकितदास, लतीफ व सत्यम पर धारा 30, नन्दन सिंह विष्ट पर धारा 5/27 का भी आरोप तय हुआ है।

विपक्ष ने बेरोजगारी, ईडब्ल्यूएस कोटा मुद्दे पर सदन में चर्चा की उठाई मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बुधवार यानी सात दिसंबर से होने वाले संसद के शीतकालीन सत्र से पहले केंद्र सरकार ने आज सर्वदलीय बैठक बुलाई। इस बैठक में रक्षा मंत्री और भाजपा सांसद राजनाथ सिंह, संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी, टीएमसी सांसद डेरेक ओ ब्रायन समेत कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। सरकार का प्रतिनिधित्व रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और राज्यसभा में सदन के नेता पीयूष गोयल ने किया। इस बैठक में दोनों सदनों को सुचारू रूप से चलाने को लेकर चर्चा हुई। इसके अलावा विपक्षी नेताओं ने केंद्र सरकार के समक्ष कई मांगें उठाईं।

बैठक के दौरान कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने चुनाव आयुक्त की नियुक्ति सिर्फ एक दिन में करने, ईडब्ल्यूएस कोटा और बेरोजगारी पर चर्चा की मांग की। सूत्रों के मुताबिक टीएमसी नेता डेरेक ओ ब्रायन ने मूल्य वृद्धि, बेरोजगारी, एजेंसियों के कथित दुरुपयोग और राज्यों की आर्थिक नाकाबंदी पर चर्चा की मांग की। ओब्रायन ने सरकार से यह भी कहा कि विपक्ष को अहम मुद्दे उठाने की इजाजत दी जानी चाहिए।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।